



ये अव्यक्त इशारे



अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

19-11-2025

अशरीरी स्थिति का अनुभव करने के लिए सूक्ष्म संकल्प रूप में भी कहाँ लगाव न हो, सम्बन्ध के रूप में, सम्पर्क के रूप में अथवा अपनी कोई विशेषता की तरफ भी लगाव न हो। अगर अपनी कोई विशेषता में भी लगाव है तो वह भी लगाव बन्धन-युक्त कर देगा और वह लगाव अशरीरी बनने नहीं देगा। अशरीरी स्थिति का अनुभव करने के लिए सूक्ष्म संकल्प रूप में भी कहाँ लगाव न हो, सम्बन्ध के रूप में, सम्पर्क के रूप में अथवा अपनी कोई विशेषता की तरफ भी लगाव न हो।

Increase the practice of the bodiless stage (ashariri and videhi)

In order to experience your bodiless stage, let there not be any attachment to anything, even to your thoughts, in a subtle way. There should be no attachment to any relatives or connections or to anyone's specialities. If there is any attachment to your own speciality, that attachment will create bondages and will not allow you to become bodiless.